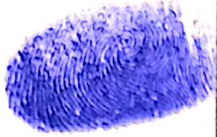


श्री 01/26



R 15
श्री 01/26

अधिका अधीकार व अधीकार उपर अधिका अधीकार ने अधीकार पत्र साबत अधीकार विरु
कारने साबत पेश कर निवेदन किया कि उक्त
अधीकार में पक्षकार के मध्य आपसी
राधीकार हो चुका है, अतः अधीकार पत्र
पेश कर निवेदन है कि अधीकार को अधीकार
अधीकार विरु खारिज करवाई जाये

अधिका अधीकार की कल्प पर
मनन किया, अधीकार पत्र का अवलोकन किया।
व्यापारिक में अधीकार पत्र स्वीकार किया
जाता है अतः अधिका अधीकार द्वारा
प्रस्तुत अधीकार अधीकार विरु खारिज की
जाती है पत्रावली फंसल शुमार होकर
वापस ले ली जाये

राजस्व अधीकार प्राधिकारी
पाली